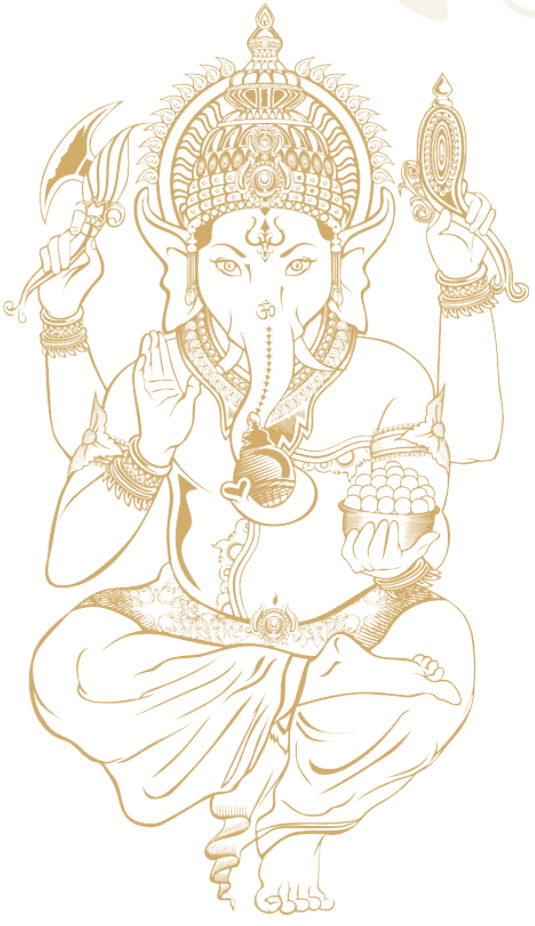

Hame lata

06 Jan 1991

02:10 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121944602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**5-06/01/1991**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:10:00 घंटे**
इष्ट	47:20:27 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:50:48 घंटे
वेलान्तर	-00:05:09 घंटे
साम्पातिक काल	08:50:33 घंटे
सूर्योदय	07:13:49 घंटे
सूर्यास्त	17:35:08 घंटे
दिनमान	10:21:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:16:21 धनु
लग्न के अंश	13:22:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:22:19	309:07:24	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			धनु	21:16:21	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	28:42:12	13:11:21	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
मंगल			वृष	04:08:10	00:03:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
बुध			धनु	00:17:34	00:17:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
गुरु	व		कर्क	17:44:50	00:06:29	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	उच्च राशि
शुक्र			मक	07:04:46	01:15:12	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि		अ	मक	02:29:41	00:07:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु			मक	04:21:20	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			कर्क	04:21:20	00:01:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			धनु	16:17:06	00:03:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
नेप			धनु	20:33:54	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	25:59:24	00:01:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	16:27:24	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:09

लग्न-चलित

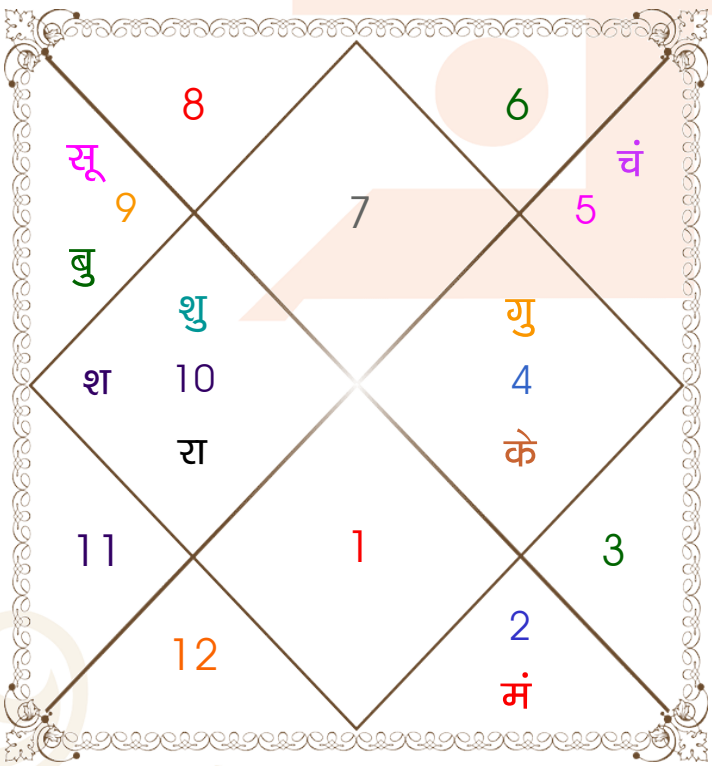

चन्द्र कुंडली

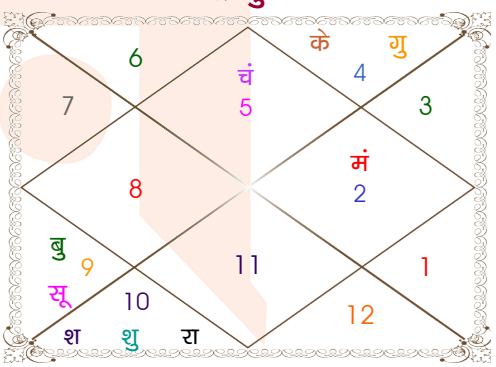

नवमांश कुंडली

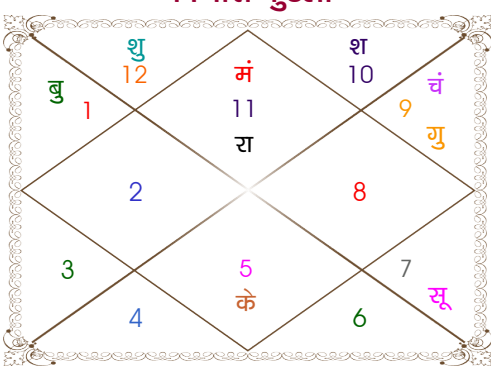

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 1 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
06/01/1991		05/02/1996		05/02/2006		05/02/2013		05/02/2031	
05/02/1996		05/02/2006		05/02/2013		05/02/2031		05/02/2047	
	00/00/0000	चंद्र	06/12/1996	मंगल	04/07/2006	राहु	19/10/2015	गुरु	25/03/2033
	06/01/1991	मंगल	07/07/1997	राहु	23/07/2007	गुरु	13/03/2018	शनि	07/10/2035
मंगल	01/04/1991	राहु	06/01/1999	गुरु	27/06/2008	शनि	17/01/2021	बुध	12/01/2038
राहु	24/02/1992	गुरु	07/05/2000	शनि	06/08/2009	बुध	07/08/2023	केतु	18/12/2038
गुरु	12/12/1992	शनि	06/12/2001	बुध	03/08/2010	केतु	24/08/2024	शुक्र	18/08/2041
शनि	24/11/1993	बुध	07/05/2003	केतु	31/12/2010	शुक्र	25/08/2027	सूर्य	07/06/2042
बुध	30/09/1994	केतु	06/12/2003	शुक्र	01/03/2012	सूर्य	19/07/2028	चंद्र	07/10/2043
केतु	05/02/1995	शुक्र	06/08/2005	सूर्य	07/07/2012	चंद्र	18/01/2030	मंगल	12/09/2044
शुक्र	05/02/1996	सूर्य	05/02/2006	चंद्र	05/02/2013	मंगल	05/02/2031	राहु	05/02/2047

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/02/2047		05/02/2066		05/02/2083		05/02/2090		06/02/2110	
05/02/2066		05/02/2083		05/02/2090		06/02/2110		00/00/0000	
शनि	08/02/2050	बुध	04/07/2068	केतु	04/07/2083	शुक्र	06/06/2093	सूर्य	26/05/2110
बुध	18/10/2052	केतु	01/07/2069	शुक्र	02/09/2084	सूर्य	07/06/2094	चंद्र	25/11/2110
केतु	27/11/2053	शुक्र	01/05/2072	सूर्य	08/01/2085	चंद्र	05/02/2096	मंगल	07/01/2111
शुक्र	26/01/2057	सूर्य	07/03/2073	चंद्र	09/08/2085	मंगल	06/04/2097		00/00/0000
सूर्य	08/01/2058	चंद्र	06/08/2074	मंगल	05/01/2086	राहु	07/04/2100		00/00/0000
चंद्र	10/08/2059	मंगल	04/08/2075	राहु	24/01/2087	गुरु	07/12/2102		00/00/0000
मंगल	18/09/2060	राहु	20/02/2078	गुरु	31/12/2087	शनि	06/02/2106		00/00/0000
राहु	26/07/2063	गुरु	28/05/2080	शनि	08/02/2089	बुध	07/12/2108		00/00/0000
गुरु	05/02/2066	शनि	05/02/2083	बुध	05/02/2090	केतु	06/02/2110		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।